Sc

No. of Printed Pages : 2

SEAT No._____

SARDAR PATEL UNIVERSITY

[72]

M.A. (2nd - Semester) Examination

Monday, 26 March– 2018

10:00 A.M. To 01:00 P.M.

PA02CHIN 21 – Hindi

(रीतिकाव्य)

कुल गुण : 70

प्रश्न-1. स-संदर्भ व्याख्या दीजिए। (किन्ही दो) (18)

(अ) " रावरे रूप की रीति अनुप, नयो नयो लागत ज्यौं ज्यौं निहारियै।
त्यौं इन आँखिन बानि अनोखी, अघानि कहुँ नहिं आनि तिहारियै।
एक ही जीव हुतो सु तो वारयौ, सुजान शकोच औ सोच सहारिये।
रोकी रहे न, दहै घनानंद बावरी रीजि के हाथ न हारिये।। "

(ब) " कागद पर लिखत न बनत, कहत सँदेसु लजात।
कहि है सबु तेरौ हियो मेरे हिय की बात।।
जौ न जुगति पिय मिलन की, धूरि मुकति-मुँह दीन।
जौ लहियैं संग सजन, तौ धरक नरक हूँ की न "।।

(क) आई खेली होरी घरैं नवलकिसोरी कहूँ बोरी गई रंग में सुगंधन झकोरै
कहै पदमाकर इकंत चली चौकी चढी हारन के बारन के फंद बंद छोरे है।
घाँघरे की घूमन सु उरुन दुबीचै पारि आगी हूँ उतारी सुकुमारी मुख मौरै है
दंतनि अधर दाबि दूनर भई सी चापि चौपर पचौअर के चूनर निचौरै है।

(ड) धार में धाई धंसी निरधार हवै जाई फँसी उकसीं न उधेरीं।
री अँगराय गिरीं गहरी गही फेरे फिरीं न घिरीं नहिं घेरीं।
' देव ' कहू अपनो बस ना रस लालच लाल चितै भई चेरीं।
बेगि ही बूडि गई पखियाँ अखियाँ मधु की मखियाँ भई मेरीं।।

प्रश्न- 2. बिहारी के श्रृंगार निरुपण पर चर्चा कीजिए। (17)

अथवा

घनानंद की प्रेम व्यंजना पर प्रकाश डालिए।

(P.T.O.)

प्रश्न- 3. पदमाकर के काव्य-वैशिष्ठ्य की चर्चा कीजिए। (17)

अथवा

' देव ' के पदों में भाव सौंदर्य पर अपने विचार व्यक्त करें।

प्रश्न- 4. टिप्पणी लिखिए। (कोई दो) (18)

(1) घनानंद की सुजान।

(2) दीपशिखा में विरह वेदना।

(3) बिहारी की नायिका।

(4) पदमाकर का कृतित्व।

—X—